अध्याय – पंचम

शोध साराँश , निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना

5.2 समस्या का कथन

5.3 शोध के उद्देश्य

5.4 शोध परिकल्पनाएं

5.5 शोध चर

5.6 शोध का परिसीमन

5.7 न्यादर्श

5.8 शोध में प्रयुक्त उपकरण

5.9 प्रदत्तो का विश्लेषण

5.10 शोध के परिणाम

5.11 निष्कर्ष

5.12 शैक्षिक सुझाव

5.13 भविष्य के लिए शोध सुझाव

अध्याय – 5

शोध , सारांश ,निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना

सारांश किसी भी अध्याय को संक्षिप्त करने का प्रयास होता है इसके द्वारा अध्याय को सरल रूप में समझा जा सकता है इस अध्याय में लघु शोध का सारांश अध्याय 4 में दिए गए प्रश्नों के विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष को प्रस्तुत किया गया है साथ ही अध्ययन के आगे संबंधित अध्ययन को विभिन्न क्षेत्रों में करने के लिए सुझाव |

5.2 समस्या का कथन

"नवमी तथा दसवीं कक्षा के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा व्यावसायिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन"

5.3 शोध के उद्देश्य

प्रस्तुत शोध कार्य के उद्देश्य निम्न प्रकार से थे :-

- नौवीं एवं दसवीं कक्षा के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि का अनुमापन करना !
- नौवीं एवं दसवीं कक्षा की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का अनुमापन करना !
- नवमी एवं दसवीं कक्षा के छात्रों की व्यवसायिक रुचि का अनुमापन करना !

• नौवीं एवं दसवीं कक्षा के छात्राओं की व्यवसायिक रूचि का अनुमापन करना !

• नौवीं एवं दसवीं कक्षा के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य तुलना करना !

• नौवीं एवं दसवीं कक्षा के छात्रों एवं छात्राओं की व्यावसायिक उपलब्धि के मध्य तुलना करना !

5.4 शोध परिकल्पना

प्रस्तुत शोध में निम्न वत परिकल्पना ओं का निर्माण तथा परीक्षण किया गया था !

1. नौवीं एवं दशवीं के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं एवं व्यवसायिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा!

2. नौवीं एवं दशवीं के छात्रों एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा!

3. नौवीं एवं दसवीं कक्षा के छात्रों एवं छात्राओं की व्यवसायिक उपलब्धि के मध्य सार्थक अंतर नहीं होगा!

5.5 शोध के चर

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित चर है :-

1. स्वतंत्र चर - शैक्षिक उपलब्धि

2. आश्रित चर - व्यवसायिक उपलब्धि

5.6 शोध का परिसीमन

1. प्रस्तुत शोध मध्यप्रदेश के भोपाल शहर तक सीमित है!

2. प्रस्तुत शोध भोपाल शहर के शासकीय विद्यालयों तक सीमित है!

3. प्रस्तुत अध्ययन नौवीं दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों तक सीमित है !

4. यह अध्ययन 150 विद्यार्थियों तक सीमित है जिसमें 76 छात्रों तथा 74 छात्राओं को सम्मिलित किया गया है |

5.7 न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में मध्यप्रदेश राज्य के भोपाल शहर में स्थित तीन उच्च माध्यमिक विद्यालय को न्यादर्श हेतु चयनित किया गया जिसमें 150 विद्यार्थियों को लिया गया !

5.8 शोध में प्रयुक्त उपकरण

संबंधित अध्ययन के लिए प्रदत्त के संकलन हेतु निम्न प्रकार के साधनों का प्रयोग किया गया :-

1. शैक्षिक उपलब्धि उपकरण

शैक्षिक उपलब्धि की गणना हेतु शोधकर्ता द्वारा निर्मित शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण प्रपत्र उपकरण का उपयोग किया गया!

2. व्यवसायिक रुचि उपकरण

विद्यार्थियों की व्यावसायिक रुचि के मापन हेतु डॉ. एस. पी. कुलश्रेष्ठ द्वारा निर्मित व्यावसायिक रुचि प्रपत्र का उपकरण उपयोग में लाया गया !

5.9 प्रदत्तो का विश्लेषण

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु दलितों के विश्लेषण के लिए 't' टेस्ट तथा कार्य दर्शन के साथ संबंध गुणांक सांख्यिकी का उपयोग किया गया है!

5.10 शोध के मुख्य परिणाम

1. नौंवी एवं दशवीं कक्षा के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य अंतर नहीं है !

2. नौवीं एवं दशवीं कक्षा के विद्यार्थियों की व्यवसायिक रुचि के मध्य कोई अंतर नहीं है!

3. नौंवी एवं दशवीं के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं व्यवसायिक रुचि के मध्य से सहसंबंध है !

5.11 निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन में छात्रों एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य अंतर नहीं पाया गया! इसी प्रकार व्यवसाय रुचि के मध्य अंतर नहीं है इससे निष्कर्ष निकलता है कि प्रचलित शैक्षिक प्रणाली में छात्र तथा छात्राओं को एक समान शैक्षिक सुविधा तथा विचार प्रणाली प्राप्त हो रही है जिससे विद्यार्थियों में व्यवसाय की ओर समान रुझान दिखाई दे रहा है उसी प्रकार उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि तथा व्यावसायिक रुचि के मध्य संबंध है जिससे यह निष्कर्ष निकाला है कि भिन्न शैक्षिक उपलब्धि वाले विद्यार्थियों ने अपनी व्यावसायिक रुचि अलग-अलग क्षेत्रों में दिखाई है शैक्षिक उपलब्धि विद्यार्थियों के व्यवसाय चयन में कारक होती है |

5.12 शैक्षिक सुझाव

1. विद्यार्थियों को भविष्य के प्रति जागरूक बनाकर उनकी व्यावसायिक रुचियां विकसित करना चाहिए !

2. विद्यार्थियों की व्यवसायिक रुचि को देखकर विद्यालयों में व्यवसायिक पाठ्यक्रम लागू किया जाना चाहिए !

3. विद्यार्थियों को व्यावसायिक क्षेत्र में होने वाले परिवर्तनों से तथा क्षेत्रों से परिचित कराया जाना चाहिए!

4. विद्यार्थियों में व्यवसायिक रुचि बढ़ाने के लिए कक्षाओं में ही कार्यअनुभव एवं विद्यालयों में शिक्षा लागू की जानी चाहिए !

5. विद्यार्थियों की व्यक्तिगत योग्यता देखकर उन्हें उचित मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए !

6. विद्यार्थियों के शैक्षिक मार्गदर्शन हेतु विद्यालय में पत्र पत्रिकाएं व्यवस्थित किए जाने चाहिए!

5.13 भविष्य के लिए शोध सुझाव

- विद्यार्थियों की व्यवसायिक रुचि बढ़ाने के लिए विद्यालय की भूमिका का अध्ययन !
- विद्यार्थियों की मानसिक योग्यता तथा व्यवसायिक रुचि का तुलनात्मक अध्ययन!
- विद्यार्थियों की सामाजिक स्थिति का व्यवसाय कृषि पर प्रभाव का अध्ययन!
- समान विद्यार्थियों की तथा विकलांग विद्यार्थियों की व्यवसायिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन !